

हरियाणा सरकार 2023 में बाजरे को 'न्यूट्री-सेरअिल'के रूप में प्रचारति करेगी

चर्चा में क्यों?

28 जुलाई, 2022 को हरियाणा के मुख्य सचिव संजीव कौशल की अध्यक्षता में हुई राज्य खाद्य सुरक्षा मशिन कार्यकारी कमेटी की बैठक में जानकारी दी गई कि वर्ष 2023 में हरियाणा सरकार राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा मशिन के तहत बाजरे को 'न्यूट्री-सेरअिल'के रूप में प्रचारति करेगी।

प्रमुख बदि

- गौरतलब है कि संयुक्त राष्ट्र ने भारत सरकार के प्रयासों से वर्ष 2023 को अंतरराष्ट्रीय 'न्यूट्री-सेरअिल'वर्ष घोषति किया है।
- हरियाणा में लगभग 10 से 12 लाख एकड़ में बाजरे की फसल होती है तथा उत्पादन भी प्रति एकड़ लगभग 8 क्वटिल तक होता है।
- बैठक में मुख्य सचिव ने हैफेड के अधिकारियों को नरिदेश दिये कि बासमती चावल का नरियात बढ़ाने के लिये सीधे कंपनियों से अनुबंध खेती करवाने के प्रयास करें।
- बैठक में इस बात की जानकारी भी दी गई कि हैफेड संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) व अन्य अरब देशों के साथ बासमती चावल का नरियात पहले से ही कर रहा है।
- मुख्य सचिव ने अधिकारियों को नरिदेश दिये कि प्रदेश में जौ की अनुबंध खेती को बढ़ावा देने के लिये किसानों को अधिकि-से-अधिकि प्रेरति किया जाए। इसके अलावा कपास की फसल पर संभावति 'पकि वार्म'के प्रकोप से बचाने के लिये भी त्वरति अभियान चलाया जाए।
- बैठक में राज्य खाद्य सुरक्षा मशिन के बारे में जानकारी दी गई कि भारत सरकार ने इसे राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा मशिन के तहत रबी 2007-08 से आरंभ किया था। इसके तहत दलहन एवं तलिहन की पैदावार को बढ़ावा देना था। वर्ष 2018-19 में खाद्य तेल एवं पाम ऑयल को भी इसमें शामिल किया गया है।
- वर्ष 2021-22 के दौरान केंद्र सरकार ने इस मशिन के लिये 4013.86 लाख रुपए की कार्य योजना स्वीकृत की थी, जिसके अंतर्गत किसानों को प्रमाणति बीज, क्लस्टर प्रदर्शन खेत, माइक्रोन्यूट्रेंट, कृषि मशीनरी, समेकति कीट प्रबंधन तथा फसल एवं मृदा सुरक्षा प्रबंधन के लिये सब्सिडी दी जाती है।